



# कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-9

“वे दोनों मेरे बिस्तर में थे और मेरी स्कर्ट ऊपर कर चुके थे. मैं बीच में लेटी थी.. और मेरे अगल बगल में वो दोनों लेटे हुए थे. ...”

Story By: vandhya (vandhyap)

Posted: Friday, January 11th, 2019

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-9](#)

# कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-9

अब तक आपने पढ़ा था कि मुझे महेश अपने बंगले पर ले आया था और उधर महेश के साथ सुनील, अब्दुल और रमीज ... ये चारों एक साथ मुझे चोदने में लगे थे. अब्दुल के लंड का पानी मेरी चूत में छूटने लगा था.

अब आगे..

अब्दुल मुझे बोला कि वन्द्या तू पहली रंडी है, जिसने आज मुझे तृप्त किया है. मैंने आज तक अपनी बीवी से भी सेक्स में इतना सुख नहीं पाया. तू बहुत मस्त है. वन्द्या आज जो तू बोलेगी, तेरे लिए कर देंगे. तू मेरी नज़रों में दुनिया की एक नम्बर की माल है. बस हम जब भी तुझे बुलाएं, तुम आ जाना. मुझे लगता है, तेरे को बार-बार चोदने का मन करेगा. तेरी बहुत याद आएगी.. सच में तेरी चुदाई का स्टाइल बहुत टॉप का है.

अब्दुल दो तीन मिनट तक लिपटे रहने के बाद उसका लंड मेरी चूत में ही सिकुड़ गया. फिर अब्दुल उठ खड़ा हो गया और बाथरूम जाने लगा.

इधर मेरी पीठ से रमीज अभी लिपटा हुआ था, उसका भी गरम गरम लंड रस मेरी गांड में भरा पड़ा था. मुझे भी दोनों तरफ गांड और चूत में बहुत अलग सा महसूस हो रहा था. मेरी पीठ को चूमते हुए मेरे बालों को छोड़कर रमीज भी खड़ा हो गया.

रमीज जाते-जाते महेश और सुनील को बोला कि तुम लोग भी थोड़ा आगे पीछे डाल के इस मखमली लौंडिया को चोद लो.

महेश बोला- मैं तो इसकी चूत का टेस्ट करूंगा.. वन्द्या की चूत बहुत गजब की दिख रही है.

वो उठकर मेरी चूत को अपने हाथ से पकड़ कर दबाने लगा. सुनील ने भी मुझे छोड़ कर मेरे मुँह से अपना लंड निकाल लिया. वो बोला- तू सच में बहुत मस्त लंड चूसती है. मुझे भी तेरी गांड भी मारनी है. सब बड़ी तारीफ करते हैं तेरी गांड की.

रमीज और अब्दुल के बाद अब ये दोनों आ गए था. सबसे पहले सुनील ने मेरी गांड को देखा और बोला- रमीज का बहुत लंड रस निकला.

उसने उसी रस में अपना लंड रख के जैसे ही मेरी गांड में धक्का मारा. सुनील का एक झटके में ही पूरा लंड मेरी गांड में घुस गया. लंड की जगह पहले से ही बनी थी.. जस्ट अभी तो रमीज का लौड़ा निकला था. अब सुनील मुझे रगड़ने लगा.

मेरी चूत और गांड का रस निकल कर पूरे गद्दे पर रस फैलकर चिपचिपाने लगा था, तो महेश बोला- इन लोगों का बहुत माल निकला है और वन्द्या तेरा भी रस टपक रहा है.

महेश ने मेरी टांगें फैलाई और अपना लंड मेरी चूत में रख कर जैसे ही डाला, उसका भी लंड पूरा एक ही बार में घुस गया. अब वो मुझे आगे से रगड़ कर चोदने लगा.

महेश बोला कि तेरी चूत बहुत ही मस्त है वन्द्या.. तेरी चूत में तो माल ही माल भरा हुआ है, बहुत चिकनी और गर्म है. मुझे तो लग रहा है, इसे चाट चाट के खा लूं.

ये कहते हुए महेश ने मेरे ऊपर चढ़ के मुझसे लिपट गया और मेरी चूत में अपना पूरा लंड डालकर जोर से रगड़ने लगा.

मैं भी उससे लिपट गई और बोली- हां महेश चोद ले साले, जितना चोदना है. मैं तेरी ही हूं.

तभी पीछे से सुनील मेरी गांड लंड ठोकता हुआ बोला- तेरी गांड तो कयामत है वन्द्या.. बहुत मस्त उठी हुई है, सच में दुनिया की सबसे मस्त गांड तेरी ही है.

महेश बोला- अब्दुल ने तो तेरी चूत का भोसड़ा बना दिया.. अब तो मेरा लंड सट सट जा रहा है.. तुझे तो फर्क ही नहीं पड़ने वाला है.

मैं बोली- ऐसा नहीं है महेश.. तू चोद जमके.. मैं अब भी बहुत चुदासी हूं.

ये सुनकर दोनों अपने अपने लंड रगड़ने लगे हैं. मेरी गांड और चूत से फच फच की आवाज आ रही थी. रस के छींटे भी पड़ रहे थे.

करीब 5 मिनट चोदने के बाद सुनील ने मेरी गांड में अपना लंड पूरा डालकर मुझे जकड़ लिया. वो बोला कि वन्द्या अब मेरे लंड से, तेरी गांड की गर्मी और ज्यादा बर्दाश्त नहीं हो रही है. तेरी गांड और तू बहुत सेक्सी है.. मैं बस जल्दी ही निकल जाऊंगा.

वो मेरे कंधे पकड़कर जोर जोर से धक्के मारने लगा और आहें भरता हुआ बोला- आह.. ले.. वन्द्या रानी.. अब मुझे जन्नत मिल गई.. आह.. मैं झड़ने वाला हूं.

बस उसके ये कहते कहते ही उसके लंड का गरम गरम लावा मेरी गांड के अन्दर घुसने लगा. मुझे बहुत मदहोशी के साथ गर्मी का एहसास होने लगा.

सुनील अपना पूरा लंड अन्दर घुसा कर चुपचाप जैसे बेहोश हो गया हो, इस तरह मुझसे लिपट गया. थोड़े ही पल में उसका लंड सिकुड़ कर बहुत छोटा हो गया और अपने आप मेरी गांड से निकल गया.

सुनील मुझे चूमते हुए बोला कि तू बहुत मस्त आइटम है जान.. तेरा कोई जवाब नहीं है.. आई लव यू वन्द्या.. मेरा काम हो गया.

उसके जाते ही महेश ने मुझे सीधा कर दिया और मेरी टांग फैलाकर के मुझे बहुत जोर से

चोदने लगा. वो अपना पूरा लंड मेरी चूत में बहुत अन्दर तक डाल कर झटके दे रहा था. मेरा काम तो अब्दुल ने ही कर दिया था, पर महेश की रगड़ मुझे फिर भी अच्छी लगी.

महेश एक हाथ से मेरे दूध दबाते हुए मेरी नाक को चूमता हुआ बोला- तू क़यामत है रे साली कुतिया.. आह.. बहुत लड़कियां मैंने चोदी.. पर आज तक तेरे जैसी नहीं देखी.. आह.. सच में, मैंने अपनी जिंदगी में तेरे जैसी लड़की नहीं देखी.. तूने अब्दुल और रमीज जैसे पठानों के बड़े बड़े लंड लेकर जिस अंदाज से मस्त चुदवाया है.. उससे ये पक्का है कि आगे दो-तीन साल में तुझे कोई देसी लड़का नहीं संतुष्ट कर पाएगा. तेरा गजब का स्टैमिना है, तू बहुत अलग है. यहां इस देश के लिए तू बनी ही नहीं है.. तू बहुत मस्त माल है.

वो मेरी गर्दन पकड़कर बोला- साली मेरा भी काम तमाम हो गया.. आह.. ले मैं भी अपनी गर्मी तेरी चूत में डाले दे रहा हूं.

महेश का लंड रस भी आग की तरह गर्म था. उसके लंड का लावा मेरी चूत में छूटने लगा. मुझे इसका अहसास हुआ.

मैं बोली- आह.. महेश.. मेरा काम तो अब्दुल ने कर ही दिया था, पर तेरा जोश बहुत मस्त लगा. तेरा लंड रस बहुत गर्म है.

ये सुन कर महेश मुझसे लिपट कर बिल्कुल मेरे ऊपर लेट गया. फिर एक मिनट बाद वो उठा और मेरी टांग फैलाकर अपने हाथ में लगभग एक मुट्ठी रस लेकर बोला कि पूरे गद्दे पर तेरी गांड और चूत से निकला रस गिरा पड़ा है. यह गद्दा हटाना पड़ेगा. वन्द्या तू आराम से उठ के बाथरूम चली जा और फ्रेश हो ले, तब तक तेरे कपड़े हम कार से ला देते हैं.

महेश ने मेरा हाथ पकड़ कर उठाया. मैं जैसे ही उठी, मेरी चूत से रस मेरी टांगों में पैरों में

चूत के नीचे के हिस्से में बह चला. इतना सारा रस जो निकला था, उसमें 4 पहलवान मर्दों के लंड का रस था. उसके साथ ही मेरी चूत और गांड का रस भी मिक्स था. सब रस से डूब गया था और बहुत चिपक रहा था.

मैं जैसे ही चलने के लिए उठी, तो मुझसे चलते ही नहीं बन रहा था. इतना दर्द महसूस हुआ कि जैसे मेरे नीचे कोई गहरी चोट या घाव लग गया हो.

मेरी आंखें नीचे गईं, तो गद्दे में खून दिखने लगा. वो भी मेरी चूत से निकला हुआ खून था.

महेश बोला- देख वन्द्या तेरी चूत का खून है.

मैं बोली- हां मुझे पता है.. अब्दुल अंकल के लौड़े की ही ये करामात है. मुझे बहुत दर्द हो रहा है, चलते भी ठीक से नहीं बन रहा.

महेश बोला- तू जाकर अच्छे से नहा ले.. अन्दर सब सामान है. तब तक मैं बहुत टॉप की दर्द की टैबलेट मंगा देता हूं. खा लेगी तो तुझे दर्द का पता भी नहीं चलेगा. सेक्स में थोड़ा बहुत दर्द तो होता ही है.

मैं लंगड़ाते हुए बाथरूम की तरफ जाने लगी.

रमीज ने देखा तो बोला कि अब्दुल, वन्द्या को देख यार.. चलती है तो इसकी गांड और कमर कैसे मटकती और हिलती है. ये बहुत कयामत है यार.. अगर लंड खड़ा होता है, तो फिर से अभी बाथरूम में जाकर ही साली को चोद दूंगा. सच में तुम लोग बहुत मस्त आइटम लाए हो यार.

मैं बाथरूम में अन्दर चली गई और अच्छे से शैंपू और साबुन से पूरी गांड चूत रगड़ रगड़ के धोयी और पूरा क्लीन कर लिया. फिर अन्दर नया टॉवल रखा था.. उसे लपेटकर बाहर निकलने लगी.. तो देखा कि वहां परफ्यूम वाली क्रीम रखी थी. मैंने उसे लगा ली. सुनील

ने मेरे कपड़े वहीं पर ला दिए थे, तो वहीं नए वाले स्कर्ट और टॉप पहनकर कमरे में आ गई और ऊपर बेड पर बैठ गई.

अभी बैठी ही थी कि पांच छह मिनट बाद मम्मी आ गई. वे 4-5 पॉलीथिन में शापिंग वाले कपड़े लिए हुए थीं.

मम्मी मुझे देख कर बोलीं- अब कैसी है तेरी तबियत सोनू ?

मैं बोली- अच्छी हूं अब ठीक लग रहा है.. बस थोड़ा थोड़ा दर्द है.

तो मम्मी बोलीं- हां यहां से फोन आया था, तो तेरे राज अंकल ने टैबलेट ली है. ले तू यह टैबलेट खा ले, ठीक हो जाएगी और थोड़ा आराम कर ले.

मैंने हां बोल कर उनसे गोली ले ली.

अब मम्मी राज अंकल से बोलीं- पता नहीं.. इसको दर्द क्यों हो रहा है ? कहीं फीवर तो नहीं आ जाएगा ?

राज अंकल- बोले अरे कुछ नहीं होगा, अभी ठीक हो जाएगी डोंट वरी.

राज अंकल ने गोली दी और मम्मी से बोले कि सोनू को गोली खिला दो.

मम्मी बोलीं- हां खिला रही हूं.

वहीं बोटल में पानी रखा था. टैबलेट मैंने खा ली.

अब राज अंकल बोले- सोनू तुम उधर किनारे में बढ़िया रूम है, वहां चल के चुपचाप कुछ खाना आदि खा कर सो जाओ.

फिर वे मम्मी से बोले- सोनू को किनारे वाले रूम में सुलवा देते हैं.

मैं मम्मी और राज अंकल के साथ उस कमरे में आ गई. वहां टेबल पर दाल सब्जी रोटी सब

लगा हुआ था.

मम्मी मेरे से बोलीं- सोनू कुछ खा ले तू.. और आराम से सो जा. सब ठीक हो जाएगा.

मैंने मम्मी के सामने ही खाना खा लिया और वहीं बहुत सजा हुआ सा एक सुंदर कमरा था. एसी चालू करके बेड पर चादर डाल कर मम्मी बोलीं- सोनू तू आराम से सो... हम लोग थोड़ा उधर वाले रूम में बातें कर रहे हैं.

मेरे लेटते ही जैसे लाइट बंद की, सच में मुझे गहरी नींद आ गई. मम्मी और राज अंकल कमरे से बाहर निकल गए. उस समय करीब रात के दस बज गए थे.

मैं तीन घंटे आराम से सोती रही. फिर लगभग तीन घंटे सोने के बाद, पता नहीं कब, कुछ लोग मेरे कमरे में आ गए और मेरे साथ लेट गए.

मुझे तब पता चला, जैसे ही मेरे शरीर में कुछ रगड़ता चिपका हुआ महसूस होने लगा. मेरी आंख खुली, तो मैंने देखा कि मूछों वाले ठाकुर साब थे, और उनके साथ वही ड्राइवर अंकल, जो मौसी के यहां से आते समय गाड़ी चला रहे थे.

वे दोनों मेरे बिस्तर में थे और मेरी स्कर्ट ऊपर कर चुके थे. मैं बीच में लेटी थी.. और मेरे अगल बगल में वो दोनों लेटे हुए थे.

मैंने अंकल से पूछा- टाइम कितना हो गया ?

तो मूछों वाले ठाकुर साब घड़ी देखकर बोले- एक बज रहे हैं.. हम तुझे बुलाने आए थे, पर तुझे सोते हुए देखकर तेरे साथ सोने का मन हो गया. चल उठ जा तू उधर वाले बेडरूम में जाकर कुछ नजारा देख ले.

मैं बोली- अकेले डर लगता है, आप भी चलो.



तो ठाकुर साब मुझे लेकर चल दिए.

उस रूम के बाहर जा कर ठाकुर अंकल ने थोड़ा सा दरवाजे को धक्का दिया. वह खुला हुआ था.

ठाकुर साब बोले- पहले थोड़ी देर यहीं से देख ले.. फिर अन्दर चली जाना.

मैं वहीं से देखने लगी. उधर अंधेरा था. जैसे ही मैंने वो नजारा देखा, मेरी आंखें फटी की फटी रह गईं. मेरे दिमाग में ऐसा लगा, जैसे कोई गाज गिर गई हो. मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था.

मेरी मम्मी के साथ 3 लोग लिपटे थे और मम्मी पूरी नंगी टांगों ऊपर किये हुए उन लोगों को ठीक वैसे ही गाली दे रही थीं.. जैसे मैं देने लगती हूं.

मम्मी उन लोगों से बोल रही थीं कि मादरचोदों.. और चोदो तुम्हारे लंड में दम नहीं है क्या हरामियों भड़वों..

राज अंकल मम्मी के मुँह में कभी लंड डालते, कभी निकालते और फिर दूधों के बीच में डालने लगे थे. मम्मी के पीछे जगत अंकल और आगे वही, जो ठाकुर के एक दोस्त थे. दोनों आगे पीछे लंड डाले हुए मेरी मम्मी को चोद रहे थे.

मैंने पहली बार मम्मी को इस तरह से चुदवाते हुए देखा था.

अब मुझे राज अंकल और जगत अंकल की पूरी बात सच लगने लगी. तभी मूछों वाले ठाकुर साब ने दरवाजे पर धक्का दिया और मुझसे बोले- जाओ अन्दर चली जाओ.

मैं अन्दर चली गई. अन्दर जाते ही मम्मी ने मुझे सामने देखा, तो उन्हें थोड़ा आश्चर्य हुआ. पर ना वह उठीं, ना उनके साथ जो सेक्स कर रहे थे, वे उठे.

मम्मी मुझसे बस इतना बोलीं कि सोनू तू यहां से चली जा.. अपने कमरे में आराम से सो जा.. सुबह तुमसे बात करूंगी.

मैं कुछ बोलने लायक नहीं थी. मैं उधर ही खड़ी रह कर देखने लगी. मम्मी के आगे पीछे लंड घुसे हुए थे. चूत में भी लंड चल रहा था.. और गांड में भी लंड लकड़ी सा घुसा हुआ था. राज अंकल का लंड मामी के मुँह में भी लगा था. मम्मी उनके लंड को कभी बाहर निकालतीं, कभी बात करने लगतीं. मम्मी फुल जोश में थीं. वे मुझे बार बार बोल रही थीं- तू यहां से जा सोनू.

तभी जगत अंकल बोले- वन्द्या को भी यहीं बुला ले, यह मस्त तो हो रही है.. इसको भी चोद देंगे.

मम्मी बोलीं- नहीं ये अभी बहुत छोटी है.

राज अंकल बोले- छोटी तो नहीं है.. तुम ही तो बोल रही थीं कि इसकी शादी करनी है.

मम्मी बोलीं- जब शादी करूंगी, तब देखेंगे.

राज अंकल बोले- शादी के बाद तो चुदाई ही होती है... फिर क्यों नाटक करवा रही है.

तभी पीछे से ठाकुर मूछों वाले अन्दर आए और मुझे पीछे से पकड़ के मेरे दोनों दूध जोर से दबाने लगे. वो भी मेरी मम्मी के सामने मेरे साथ खेलने लगे थे.

मम्मी बोलीं- अबे भड़वे.. छोड़ उसे मादरचोद.. वह अभी बहुत छोटी है. उसे जाने दे.. मेरे पास आ साले अपनी मर्दानगी दिखानी है, तो मेरे साथ दिखा माँ के लौड़े.

इतना कहते ही मूछों वाले ठाकुर बोले- अबे रंडी साली.. यह बहुत चुदासी है, तू क्या जाने.. तेरी ये लौंडिया कईयों से चुद चुकी होगी. चाहे तो अभी लंड डलवा कर वन्द्या की चूत का टेस्ट करवा ले.. इसकी सील अगर टूटी न मिले, तो जो बोलेगी.. हार दूंगा. मैं तेरे से शर्त लगाता हूँ.. बोल मंजूर है ?

ठाकुर की बातों से उसका कान्फीडेन्स देखकर मम्मी का विश्वास टूट गया और बोलीं- आज के जमाने के बच्चे कुछ भी कर सकते हैं, पर अभी वो छोटी है उसे जाने दो.

जगत अंकल बोले- वन्द्या जिस उम्र की लड़की है, इतने में तो ना जाने तू क्या कयामत ढा रही होगी. तेरी ही तो बेटी है.. फिर इसे मजे लेने से क्यों रोकती है.

तभी मम्मी मुझ पर चिल्लाई- तू चली जा.. नहीं यह कुत्ते तुझे नहीं छोड़ेंगे.

मैं मुड़कर चलने लगी, तभी ठाकुर ने किसी को फोन लगाया और बोला- इधर कॉर्नर वाले रूम में हैं.. तू यहीं आजा. इधर ही खाना खाकर आराम से इसी लौंडिया के साथ सो जाना.

मैं मम्मी के कमरे से आई, तो मेरे दिमाग में वही मम्मी वाला पूरा सीन चल रहा था. मैं बिस्तर में लेट तो गई. पर मैंने इस तरह से मम्मी को कभी देखा नहीं था, उनके बारे में सुना जरूर था. राज अंकल ने मुझसे वादा किया था कि तुम्हारी मम्मी को मैं तुम्हारे सामने चुदते हुए दिखाऊंगा. उन्होंने अपना वादा पूरा किया और मैं अब सब समझ भी गई कि मेरी मम्मी सच में कैसी हैं. पर यह सब होता ही है, मैं कौन सी दूध की धुली थी.. और रहती भी क्यों? आखिर अपनी मम्मी की ही तो बेटी हूं.. इसीलिए शायद मैं ऐसी हूं. इसीलिए शायद मेरा इतना ज्यादा सेक्स का मन करता है. जब मेरी मम्मी का पैतालीस साल की एज में इतना मन होता है, तो जवानी में वह कैसी रही होगी.

अब मैं उनके चुदाई की पोजिशन को सोचते-सोचते गर्म होने लगी थी. रात के करीब अब 2 बज रहे थे. तभी दो ड्राइवर, जो गाड़ी चला रहे थे, पहले वाला वही अंकल था, जो थोड़ी देर पहले ठाकुर साहब के साथ आया था और जब नींद खुली तो मेरे साथ लेटा हुआ मिला था. और दूसरा वाला ड्राइवर वो था, जो मानिकपुर में स्टोर से बंगले तक लेकर आया था. वो भी मेरे पास रूम में आ गया. वे दोनों अन्दर आ चुके थे. वे अपने हाथ में खाने का कुछ सामान लिए थे.

वे बोले- ठाकुर साहब ने अभी फोन किया था कि खाना देकर आ जाओ.

तब मैं बोली कि मुझे नहीं खाना है, मैं थोड़ा खा कर सो गई थी. तुम लोग चले जाओ.

इतने में जो पहले वाले ड्राइवर अंकल थे. वह बोले कि हमें बोला गया है कि यहीं सो जाना.

आप अकेली हो इसलिए हम यही सोएंगे. आप समझ रही हो ना ?

मैं क्या समझती, सब मन ही मन समझ गई थी.

मैं बोली कि मैं अभी अकेले सोना चाहती हूँ.

वो दोनों बोले कि ऐसा नहीं होगा, ठाकुर साहब ने हम दोनों को बोला है, हम यहीं सोएंगे.

वो दोनों मेरे साथ बिस्तर में आ गए. मैंने देखा कि जो दूसरा वाला था, वह करीब 23-24 साल का बहुत यंग लड़का था. दोनों ने दारू पी रखी थी.

वो बिस्तर में आकर बोला- मैडम आप तो बहुत मस्त चुदवाती हैं, हमने कार में सब देखा है. हम दोनों को भी थोड़े मजे दे दो.. आप तो आज पूरी रात के लिए बुक हो, इसलिए अभी थोड़ा 15-20 मिनट का टाइम है. आप हम दोनों से करवा लो. फिर साहब लोग आ जाएंगे. साहब लोगों ने ही कहा है कि चले जाओ तुम दोनों अपनी थकान उतार लो.

ये कह कर वे दोनों मेरी चादर को हटाकर मुझसे लिपटने लगे.

जो यंग लड़का था, वह तो सीधे मेरे ऊपर आ गया और बोला- तुम नाटक मत करो, हम लोगों से भी कुछ ले लेना.

वो मेरे दूध दोनों पकड़ कर दबाने लगा और बोला- अब हम दोनों तेरा नाम वन्द्या ही लेंगे.. तू बहुत मस्त है मेरा नाम गौरव है और इन अंकल का नाम मनभरण है.

मैं बोली कि अभी मुझे अकेले रहने दो.

वह दोनों जाने मुझे क्या समझ कर आए थे कि मेरी बात का उन पर कोई असर ही नहीं

पड़ा. गौरव तो सीधे मेरे ऊपर चढ़ ही गया था.

उसने मेरी स्कर्ट उतार दी और मुझसे बोला कि साली रंडी भाव खाती है.

वो अंकल को बोला कि इसके हाथ पकड़ो.. मैं अभी इसकी चूत में लंड डालता हूं. साली 2 मिनट में ठीक हो जाएगी.

उसने मेरी स्कर्ट को उतार के फेंक दिया. जैसे ही स्कर्ट फेंका, मेरे को बिल्कुल अच्छा नहीं लगा. उसने मेरे पैरों को अपनी टांगों से दबा कर मेरी पेंटी भी खींच ली. मनभरण अंकल मेरे हाथ पकड़ लिए थे. मैं कुछ रिएक्ट करने लायक नहीं बची थी.

तभी गौरव ने अपनी दो उंगलियां मेरी चूत में मेरी डालकर चूत रगड़ने लगा.

जैसे ही उसने चार-पांच मिनट तक चूत में अन्दर-बाहर करते हुए उंगली को रगड़ा कि मेरे अन्दर कुछ कुछ होने लगा था. मैं ना जाने क्यों, ना चाहते हुए भी उन दोनों के रंग में रंगने लगी और मेरा पूरा विरोध अपने आप खत्म हो गया था.

मेरी सांसें उखड़ने लगीं और मेरा सीना जोर जोर से ऊपर नीचे होने लगा. थोड़ी देर में अब मुझसे कुछ भी बर्दाश्त नहीं हो रहा था.

इस कहानी में इन पन्द्रह दिनों तक मेरी चुत की आग को ठंडा करने वाली चुदाई की कहानी में आपको सब पूरे विस्तार से लिखूंगी.

आपके कमेंट्स का इन्तजार रहेगा.

vandhyap13@gmail.com

कहानी जारी है.

## Other stories you may be interested in

### कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-11

अब तक आपने पढ़ा था कि मेरी चूत को अनवर जोर जोर से चोद रहा था, धक्के मार रहा था. तभी पीछे से मेरे बालों को पकड़ के कसके रमीज चोदने लगा था और गाली मुझे देने लगा था. मैं [...]

[Full Story >>>](#)

### बस में मिली प्यासी चूत वाली भाभी

दोस्तो ! मैं अखिल, राजस्थान का रहने वाला हूँ. यह मेरी पहली कहानी है, उम्मीद करता हूँ कि आपको यह पसंद आएगी. यह मेरी वास्तविक कहानी है. मुझे भाभी और आंटी बहुत पसंद हैं। अब मैं कहानी पर आता हूँ. मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

### कमसिन जवानी की चुदाई के वो पन्द्रह दिन-10

अब तक आपने पढ़ा कि मुझे पांच लोगों ने हचक कर चोद दिया था. इसके बाद मैं खाना और दवा खाकर सो गई थी. रात को मुझे ठाकुर अंकल ने उठाया और मेरी मम्मी की चुदाई को दिखाया. इसके बाद [...]

[Full Story >>>](#)

### वाइफ की गांड चुदाई इनकमटैक्स ऑफिसर से

अन्तर्वासना के मेरे सभी दोस्तों को मेरा प्यार भरा नमस्कार. दोस्तो, आपको मेरी पहली कहानी वाइफ की चुदाई इनकम टैक्स ऑफिसर से इतनी पसंद आई, इसके लिए बहुत धन्यवाद. इनकम टैक्स ऑफिसर के साथ चुदाई के बाद मेरी बीवी का [...]

[Full Story >>>](#)

### अनजान आंटी ने मुझसे चूत चुदवाई

सबसे पहले आप सभी को मेरा प्यार भरा नमस्कार. मेरा नाम लकी है. मैं हरियाणा के सोनीपत जिला के एक गांव का रहने वाला हूँ. मैं एक मिडिल क्लास परिवार से हूँ. मेरी लम्बाई 5 फुट 10 इंच है. अच्छी [...]

[Full Story >>>](#)

